तारीख हुक्म	हुक्म की कार्यवाही इनिशियल्स जज
3.2.17	पत्रावली पेश। फरीकैन उपस्थित। प्रार्थीगण ने यह प्रार्थना-पत्र अन्तर्गत आदेश 9 नियम 9 आ. दी. मय प्रार्थना-पत्र धारा 5 म्याद अधिनियम पेश कर यह निवेदन किया है कि प्रार्थी/वादी० का दावा इनकी जानकारी के बगैर [illegible] दिनांक 27.4.2005 को अदम हाजरी अदम पैरवी मे खारिज हो गया था. उस दिन प्रार्थी० मेहनत मजदूरी करने बाहर गये हुए थे जिससे तारीख पेशी की जानकारी नहीं हो सकी तथा वकील साहब बीमार अस्पताल मे भर्ती होने के कारण हाजिर नहीं हो सके। प्रार्थीगण कानूनी प्रक्रिया से अनभिज्ञ है इसलिए समय पर जानकारी नहीं कर सके तथा न्यायालय से जानबूझकर अनुपस्थित नहीं रहे। जानकारी होते ही यह प्रार्थना-पत्र पेश किये बिना देरी प्रस्तुत कर दिया है। वादी० का दावा कीमती सम्पत्ति का है, दावा खारिज हो जाने से वादी प्रार्थी० को अपूरणीय क्षति होगी तथा अपने जायज हकों से वंचित रह जावेंगे। अतः प्रा०पत्र धारा 5 म्याद अधि० स्वीकार कर देरी को माफ करते हुए प्रा.पत्र आ.9 नि.9 सी.पी.सी. स्वीकार कर दावा पुनः दर्ज करने के आदेश फरमावें।
	प्रार्थना-पत्र दर्ज रजि. किया जाकर अप्रार्थीगण को तलब किया गया तथा मूल वाद पत्रावली कार्यालय से तलब की गई। अप्रार्थीगण ने प्रार्थना-पत्र का जवाब प्रस्तुत कर निवेदन किया है कि वादीगण का दावा दिनांक 27.4.05 को अदम हाजरी अदम पैरवी मे खारिज हो गया जिसकी बाबत वादीगण ने दिनांक 26.9.13 को उक्त प्रार्थना-पत्र पेश किया गया है जबकि कानूनन प्रार्थना-पत्र पेश करने की समय अवधि 90 दिन होती है, जबकि वादीगण ने प्रार्थना-पत्र 8 साल बाद पेश किया है तथा विलम्ब की अवधि माफ करने का कोई उचित कारण भी नहीं [illegible] है। अतः प्रा०पत्र मय हर्जा [illegible] [illegible] अधिवक्तागण की बहस सुनी तथा प्रस्तुत प्रार्थना-पत्र जवाब प्रा०पत्र एवं मूल वाद पत्रावली का अवलोकन किया। प्रार्थीगण/वादीगण द्वारा यह दावा-
	03/4/17 लगातार

Signature Not Verified
Digitally signed by Surendra Prasad
Date: 2023.09.05 17:19:12 IST
Reason: SelfAttested

Scanned with CamScanner

[illegible] ४८ [illegible] ०
[illegible] 09R3C/0

	हुक्म की कार्यवाही इंसिरियतस्त जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
	अन्तर्गत धारा 88-89, 91 व 188 R.T.Act दिनांक 13.10.2000 को प्रस्तुत किया था। उक्त दावा दिनांक 18.8.2003 को अदम हाजरी अदम पैरवी में खारिज कर दिया गया तत्पश्चात भी दावा प्रतिवादीगण की तलबी के लिए ही नियत था। इसके बाद उक्त दावा पुनः दिनांक 16.7.04 को प्रा० पत्र 09R9C/0 स्वीकार किया जाकर पुनः दर्ज रजि० किया प्रतिवादी० की तलबी में आगामी ता० पेशी 18.8.04 नियत की गई। इसके पश्चात दिनांक 27.4.05 को तलबी की स्टेज पर ही दावा अदम हाजरी अदम पैरवी में खारिज कर दिया गया। इस प्रकार वादी० ने पुनः आठ वर्ष बाद दावा को नम्बर पर लेने का यह प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत किया है जो म्याद बाहर है तथा विलम्ब से प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत करने का कोई उचित कारण भी प्रार्थीगण द्वारा नहीं बताया है। ऐसी स्थिति में यह प्रार्थना-पत्र स्वीकार किये जाने योग्य नहीं पाया जाता है। अतः आदेश है कि प्रार्थीगण का प्रार्थना-पत्र अन्तर्गत आदेश 9 नियम 9 जा० दी० खारिज किया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार होकर दाखिल दफ्तर हो। 3/2/17 ([illegible]) उपखण्ड [illegible] नगर (भरतपुर) [illegible]	

Signature Not Verified
Digitally signed by Surendra Prasad
Date: 2023.09.05 17:19:12 IST
Reason: SelfAttested

Scanned with CamScanner